Sale of properties of NTC

*145. SHRI R. KAMARAJ: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government had invited bids for the sale of properties of the National Textile Corporation;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether it is also a fact that Government had received bid for the sale of property of Mumbai Textile Mill of NTC; and

(d) whether Government are considering to use the proceeds of sale of properties of NTC for the revival of other sick NTC mills?

THE MINISTER OF TEXTILES (SHRI SHANKERSINH VAGHELA): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) and (b) In accordance with the Rehabilitation Scheme sanctioned by BIFR, National Textile Corporation (NTC) had invited bids (in sealed cover) for the sale of surplus lands and has so far sold lands in 41 mills for Rs. 2458.82 crore since 2002.

(c) Yes, Sir.

(d) BIFR has already laid down the manner of utilization of the funds generated from sale of assets, which includes VRS to workers, servicing of bonds, modernization and payment to creditors.

SHRI R. KAMARAJ: Sir, when the Government has realised Rs. 2,458.82 crores from the sale of lands of NTC, it is to be noted that the modernisation proposal of nine mills in Tamil Nadu has not been sanctioned so far. Will the hon. Minister assure that these nine mills will be modernised using this fund?

श्री शंकर सिंह वाघेला:सभापति जी, यह सही बात है कि बीआईएफआर की सूचना के हिसाब से इन्होंने हमें जो गाइडलाइन दी है,इस हिसाब से जो एक्स्ट्रा लैंड है, उसे बेचने का प्रावधान है। अभी मुम्बई में हमने 2020 करोड़ रुपए की मिलों की जमीन बेची हैं। बाकी जो मिलें हैं,इनमें से शायद 15 मिलों को हम रिवाइव करने जा रहे हैं और इसके लिए 500 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इसमें तमिलनाडु की 5 मिलों का समावेश है। मै समझता हूँ कि अगर 500 करोड़

रुपए से और ज्यादा की जरुरत पड़ेगी और अगर ज्यादा रिवाइव करने की डिमांड आएगी, तो इसके बारे में हम पोजिटव थिंकिंग करेंगे।

SHRI R. KAMARAJ: Sir, my second supplementary is this. What is the condition of labourers who were working in the closed mills of the NTC in Tamil Nadu? Is there any proposal with the Government to absorb those 1500 labourers who are working in the NTC mills in Tamil Nadu? Sir, these labourers have been working on temporary basis for a long period without proper benefits. Has the Government any plan to give them job security?

SHRI N.K. PREMACHANDRAN: Why only Tamil Nadu? It should apply to the whole of India.

श्री शंकर सिंह वाघेला:सभापति जी,यह बिल्कुल सही बात है,एनटीसी के इम्प्लाईज़ जहां भी काम करते हैं,अगर वे वीआरएस लेना चाहते हैं,तो गवर्नमेंट स्कीम के हिसाब से, बीआईएफआर की सूचना के हिसाब से हम वीआरएस देने जा रहे हैं। जितना भी पैसा होगा,भारत सरकार ने ग्रांट किया है,इसमें कोई चिन्ता का विषय नहीं है। जो मिलें हम रिवाइव करने जा रहें हैं,अगर लेबरर्स वहां फिर से नौकरी करना चाहते हैं,तो कर सकते हैं। अभी तो हम घर बैठे तन्ख्वाह देते हैं,मामला इतना माइनस चल रहा था। हमने वीआरएस देने के लिए 1800 करोड़ रुपए के बांड लिए हैं, हम वह भी रिपे कर रहे हैं,लेकिन लेबर हमारी प्रायरिटी होगी। इसलिए जो मिलें रिवाइव होंगी, अगर उसमें उन्हें काम करना है, तो उस रिवाइव मिल में उनको हम आज भी तन्ख्वाह देते हैं,बाद में भी तन्ख्वाह देते रहेंगे। यह पॉलिसी नेशनल लेवल की है,कोई एक स्टेट को ध्यान में रखते हुए यह पॉलिसी नहीं है।

SHRI N.K. PREMACHANDRAN: Mr. Chairman, Sir, as per the BIFR guidelines, priority has to be given for modernisation of viable mills. It is quite unfortunate to note that the Ministry of Textiles and the NTC are giving priority to the VRS. The operative period for the revival package is also over. My specific question to the hon. Minister is about the modernisation of viable mills. I want to know from the hon. Minister whether the sale proceeds of these NTC mills will be used for modernisation of viable mills and also for the wage revision of the existing employees whose wage revision is due for the last 10—15 years.

श्री शंकर सिंह वाघेला:सभापति जी,इसमें आपने कहा है,इसालिए हम इन्हें रिवाइव नहीं करने जा रहे हैं। यह तो तकरीबन 2-3 महीने पहले हमने सोचा कि जो मिलें ठीक चल रही हैं,

उनको अगर पैसे डालना है तो डाल कर भी,रिवाइव किया जाए। जितनी जहां डिमांड होती है,उस हिसाब से हम रिवाइव करने जा रहे हैं। जो मिलें बिल्कुल बन्द हैं,जिनमें शायद मशीनरी भी बेच डाली गई हैं,लैंड ऐसे ही पडी है,बीआईएफआर की सूचना के हिसाब से हम उसे बेचने जा रहे हैं। जो मिलें चालू होने की सम्भावना है,उनमें we are doing our best..

SHRI V. NARAYANASAMY: Sir, in part (c) and (d) of the written answer, the hon. Minister has mentioned that some amount will be set apart for giving compensation to the workers under the VRS, servicing of bonds, modernisation and payment to creditors. Sir, the moot question in this. As far as the Mumbai mills are concerned, there are a large number of workers of these mills who have been living in the land of these textile mills. Now, this land is going to be sold. Some people are also occupying the land, and they have been living there for the last 50—100 years. By selling this land you are going to uproot those people from that land. What scheme the Government has for the purpose of rehabilitating those people? This is the moot question, as far as Mumbai is concerned. What scheme is the hon. Minister having for them?

श्री शंकर सिंह वाघेला:सभापति जी, जब मुम्बई में शिंदे साहब मुख्यमंत्री थे,तब इन मिलों के लिए बीआईएफआर की सूचना के हिसाब से एक सिस्टम था-वन –थर्ड MAHADA को,वन-थर्ड बीएमसी को और वन –थर्ड एनटीसी को मिलेगी। आपने सही फरमाया , इस हिसाब से जो लोग वहाँ रहते हैं,एनटीसी उनको 225 sq.ft.का मकान मुम्बई में कंस्ट्रक्ट करके दे देगी या जो भी इसे लेगा,वह दे देगा इसमें लेना-देना,हमारा आपस में हिसाब-किताब होगा,लेकिन इसमें प्रायरिटी होगी कि 225 sq.ft. का मकान उन्हें वहीं मिलेगा। यह हमारी पॉलिसी है। उस समय बात हुई थी और एनटीसी पोस्चर मेनटेन करते हुए जो भी पैसे आए हैं,इसमें भी हम मुम्बई को ज्यादा प्रायरिटी देने वाले हैं।

श्री दीपांकर मुखर्जी:सर, मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि रिवाइवल प्लान के लिए कितने पैसे की जरुरत है? इसमें से कितना पैसा रिवाइवल प्लान के लिए जा रहा है और कितने दिन के अंदर यह रिवाइवल होगा क्योंकि जितना ज्यादा टाइम लगेगा उतना ही रिवाइवल का खर्चा बढ़ेगा? फिर क्या आपका बेचने पर ही स्ट्रेस होगा या रिवाइवल पर होगा?सर, रिवाइवल पर कितना पैसा लगना है,यह पहला प्रश्न है और दूसरा पूरक प्रश्न यह है और दूसरा पूरक प्रश्न यह है कि मुझे कहीं से खबर आई है कि किसी एक संपत्ति को बेचने पर 37 बिडर्स थे,लेकिन बाद में पता चला कि एक ही खरीदने वाला था। हम चाहते थे हैं कि जो चीज एन.डी.ए. के रिजीम में हुई ,वह रिपीट नहीं होनी चाहिए,क्या इस ओर आप ध्यान देंगे?

श्री शंकर सिंह वाघेला:देखिए,यह डीलिंग बहुत ट्रांसपेरेंसी के साथ होती है,कभी भी कोई

क्वैश्चन करे,उसमें 24 घंटे ट्रांसपेरेंसी सिस्टम रहता है। अगर किसी की बिडिंग हमारे भाव से नीचे आती है,तो हम उसे नहीं दे सकते।

श्री दीपांकर मुखर्जी:सर,37-38 बिडर्स थे,लेकिन एक ही बिडर आया,क्या यह सच है?

श्री शंकर सिंह वाघेला:सर,यह टोटली गलत बात है। कहीं भी ऐसा नहीं हुआ कि 37 बिडर्स आ गए थे,फिर एक आया और दे दिया।...*(Interruptions)*...

SHRI V. NARAYANASAMY: Sir, we wanted a discussion on this.

श्री सभापति:देखिए,मेरी बात सुनिए।आपकी किसी विषय पर डिस्कसन चाहिए तो उसके लिए नियम बने हुए हैं। आप उन नियमों के अनुसार लिखकर देंगे तो विचार करुंगा।

श्री शंकर सिंह वाघेला:सर, अभी हम जो रिवाइवल करने जा रहे हैं,उसमें 483 करोड़ का प्रावधान है। हमें पैसे के लिए कोई प्रॉब्लम नहीं हैं। यह प्रश्न तो आज चर्चा में आया है,लेकिन हमने तो दो महीने पहले से होम वर्क करना शुरु कर दिया है। हमें सिर्फ मशीनरी मॉडर्नाइजेशन करना है और जमीन,लाइट वगैरह तो है ही। यह इंफ्रास्ट्रक्चर नया नहीं है और मॉडर्नाइजेशन पर जो पैसा डालना है,उस पैसे की भी कोई चिंता हमारे लिए नहीं है। **...(व्यवधान)...**

श्री सभापति:आपको फिर कह रहा हूँ कि उसके लिए नियम बने हुए हैं। आप नियमानुसार लिखकर दे देंगे तो विचार करुंगा। क्वैश्चन नंबर 146.

Supreme Court verdict on IMDT Act

*146. SHRI DATTA MEGHE:†
SHRI MANOJ BHATTACHARYA:

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether the Supreme Court of India has struck down the Illegal Migrants (Determination by Tribunals) Act, 1983 as unconstitutional, holding it responsible for delaying detection and deportation of foreigners in the country;

(b) if so, the details thereof; and

(c) the reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI SHIVRAJ V. PATH): (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the House.

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri Datta Meghe.